विश्वास को ऊँचा उठाना

Elevating Faith

उद्देश्य

यह प्रशिक्षण यह सिखाता है कि कैसे अगुवा परमेश्वर में **ऊँचा विश्वास** रखकर न केवल अपने जीवन में, बल्कि दूसरों के जीवन में भी बदलाव ला सकते हैं।
विश्वास केवल एक भावना नहीं है — यह एक **सक्रिय प्रत्युत्तर** है परमेश्वर के चरित्र, वचन, और बुलाहट पर।

सारांश

- विश्वास के बिना परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है
- यीशु ने अपने शिष्यों से बार-बार पूछा: "तुम्हारा विश्वास कहाँ है?"
- आत्मिक अगुवों को चाहिए कि वे:
    - विश्वास में स्थिर रहें
    - दूसरों को विश्वास में प्रोत्साहित करें
    - डर और शक से ऊपर उठें
- उच्च विश्वास का नेतृत्व:
    - परमेश्वर की **संभावनाओं** को देखता है, न कि मनुष्य की सीमाओं को
    - **प्रार्थना** और **प्रेरणा** से कार्य करता है
    - दूसरों में भी विश्वास जाग्रत करता है
- यह नेतृत्व लोगों को उनके बुलाहट की ओर खींचता है
- उच्च विश्वास का मतलब है परमेश्वर की दृष्टि से चीज़ों को देखना, न कि केवल अपनी समझ से

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- इब्रानियों 11:6
- मत्ती 8:10
- मत्ती 14:31
- रोमियों 10:17

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. अभी आपके जीवन या सेवकाई में विश्वास को ऊँचा उठाने के लिए परमेश्वर आपको किस क्षेत्र में बुला रहा है?

2. आप किन तरीकों से दूसरों को विश्वास में प्रोत्साहित कर सकते हैं?

3. क्या कोई ऐसा क्षेत्र है जहाँ डर आपके विश्वास से अधिक प्रभावशाली रहा है?

4. आप अपने जीवन में परमेश्वर की **बड़ी योजनाओं** को विश्वास की नजर से कैसे देख सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद

- यशायाह 26:3-4
- 2 तीमुथियुस 1:7
- मत्ती 17:20